प्रेस विज्ञप्ति / Press Release **January 06, 2022**

विद्युत मशीनरी उद्योग ने मार्च 2021 तक ₹94.8 हजार करोड़ (मूल्य में) ऋण लिया है और 199.49 हजार ऋण सक्रिय हैं - सिडबी-सीआरआईएफ की उद्योग स्पॉटलाइट रिपोर्ट द्वारा खुलासा

Electrical Machinery Industry availed credit of ₹94.8 thousand crore (by value) and 199.49 thousand active loans by volume as of March 2021, reveals Industry Spotlight report by SIDBI-CRIF

वित्त वर्ष 2020-21 में संवितरित किए गए ऋणों की कुल संख्या 116.08 हज़ार थी, जिनका कुल ऋण मूल्य ₹34.32 हज़ार करोड़ था

The total number of loans disbursed in FY 2020-21 stood at 116.08K, with total credit value of ₹34.32K crores

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास में लगे प्रमुख वित्तीय संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) और एक प्रमुख भारतीय ऋण ब्यूरो सीआरआईएफ हाई मार्क ने आज 'इंडस्ट्री स्पॉटलाइट' का चौथा संस्करण लोकार्पण किया, जो 'इलेक्ट्रिकल मशीनरी' उद्योग का विश्लेषण करता है।

Small Industries Development Bank of India (SIDBI), the principal financial institution engaged in the promotion, financing and development of Micro, Small & Medium Enterprises (MSMEs), and CRIF High Mark, a leading Indian credit bureau, today, launched its fourth edition of 'Industry Spotlight' that analyses the 'Electrical Machinery' industry.

इलैक्ट्रिकल मशीनरी उद्योग में ऋण परिदृश्य

रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2021 तक इस क्षेत्र द्वारा प्राप्त ऋण की कुल राशि ₹94.8 हजार करोड़ थी, जिसमें वर्ष-दर-वर्ष 3.2% की वृद्धि देखी गई। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि मार्च 2021 तक इस क्षेत्र में सक्रिय ऋणों की संख्या 199.49 हजार थी।

इस उद्योग ने दिसंबर 2018 से गैर निष्पादित आस्ति में तिमाही गिरावट देखी है। मार्च 2021 में गैर निष्पादित आस्ति में वर्ष-दर-वर्ष 5.83% का सुधार हुआ और यह 13.6% रहा; जबकि तिमाही दर तिमाही 0.35% की कमी दर्ज हुई है ।

Credit landscape in the Electrical Machinery industry

According to the report, the total amount of credit availed by the sector as of March 2021 stood at ₹94.8 thousand crore which witnessed a Y-o-Y increase of 3.2%. The report also states that the number of active loans (volume), in the sector stood at 199.49 thousand, as of March 2021.

The industry observed a quarterly decline in NPAs since Dec.2018. The Y-o-Y NPA improved by 5.83% in Mar 2021 and stood at 13.6%; while Q-o-Q reduced by 0.35%.

क्षेत्र की निर्यात आय

भारत; स्विचगियर और कंट्रोल गियर, ट्रांसफॉर्मर और पुर्जे, औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स, केबल, ट्रांसमिशन लाइन टावर, कंडक्टर, रोटेटिंग मशीन (मोटर, एसी जनरेटर, और जनरेटिंग सेट) और पुर्जों का एक प्रमुख निर्यातक है। रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2021 तक निर्यात ऋण ₹2.2 हजार करोड़ रुपये था, जिसमें लगभग 8% तिमाही दर तिमाही और 6% वर्ष दर वर्ष गिरावट रही।

Export earnings of the sector

India is a major exporter of switchgear and control gear, transformers and parts, industrial electronics, cables, transmission line towers, Conductors, rotating machines (motors, AC generators, and generating sets) & parts. As per the report, the export credit as of March 2021 stood at ₹2.2 thousand crores with a nearly 8% Q-o-Q decline, and 6% Y-o-Y decline.

मात्रा के हिसाब से समग्र ऋण के अधिकांश हिस्से में एमएसएमई उधारकर्ताओं का दबदबा रहा है

मार्च 2021 तक एमएसएमई उधारकर्ता क्षेत्र को कुल ऋण (ऋण मात्रा) का 95% और ऋण की समग्र राशि (ऋण मूल्य) का 30% है। वित्त वर्ष 2020-21 में सूक्ष्म क्षेत्र के उधारकर्ताओं का संवितरण (मात्रा में) में 83% है। मार्च 2021 तक इस उद्योग में 3 लाख उधारकर्ताओं में उपस्थिति है।

Majority of the overall credit by volume is dominated by MSME borrowers

MSME borrower segment constitutes 95% of the overall number of loans (credit volume) to the sector and 30% of the overall amount of loans (credit value) as of Mar 2021. Micro segment borrowers constitute 83% in disbursements (by volume) in FY 2020-21. The industry has a presence of 3 lakh borrowers as of March 2021.

ऋण संविभाग के संदर्भ में शीर्ष क्षेत्रों पर भौगोलिक अंतर्दृष्टि

राज्य स्तर पर, ऋण संविभाग (मूल्य) के मामले में महाराष्ट्र और दिल्ली दो शीर्ष राज्य हैं, जिनमें से प्रत्येक के पास मार्च 2021 तक ₹10,000 करोड़ से अधिक का संविभाग है।

रिपोर्ट में भारत में 12 शीर्ष विद्युत मशीनरी विनिर्माण क्षेत्रों की हिस्सेदारी पर प्रकाश डाला गया है जो ऋण संविभाग का 84% और देश में समग्र ऋण का सक्रिय इकाइयों में 32% है।

Geographical insights on top regions in terms of Credit Portfolio

At the state level, Maharashtra and Delhi are the top two states in terms of credit portfolio (value), each having > ₹10000 crore portfolio as of March 2021.

The report highlights the share of top 12 Electrical Machinery manufacturing regions in India at 84% of the credit portfolio and 32% of the overall credit active units in the country.

सिडबी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री शिवसुब्रमणियन रमण ने कहा, “भारत दुनिया में बिजली का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है, जबकि भारत में विद्युत मशीनरी उद्योग अर्थव्यवस्था के मुख्य आधारों में से एक है। यह क्षेत्र देश के विनिर्माण उत्पादन में 8%, देश के सकल घरेलू उत्पाद में 1.5%, देश के निर्यात में 1.5% का योगदान देता है। सरकार ने घरेलू विनिर्माण को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने के लिए प्रोत्साहन के साथ 2030 तक 30% इलेक्ट्रिक वाहन के प्रयोग का लक्ष्य रखा है। यह विद्युत मशीनरी क्षेत्र, घरेलू निर्माताओं के लिए एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करता है और बहुगुणित वृद्धि के साथ इसका भविष्य उम्मीद से भरा है।”

Shri Sivasubramanian Ramann, Chairman and Managing Director, SIDBI said, “India is the third largest producer and the second largest consumer of electricity in the world while Electrical Machinery industry in India is one of the mainstays of the economy. The sector contributes to 8% of the country's manufacturing production, 1.5% to the country's GDP, 1.5% to the country's exports. The government has a target of 30% electric vehicle penetration by 2030 with incentives to make domestic manufacturing economically viable. This presents a huge opportunity for domestic manufacturers in the electrical machinery sector and has a promising future with exponential growth.”

सीआरआईएफ इंडिया के एमडी और सीईओ श्री नवीन चंदानी ने कहा, “भारतीय विद्युत मशीनरी उद्योग के पास एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला द्वारा समर्थित विविधीकृत, परिपक्व और मजबूत विनिर्माण आधार है। यह उद्योग जीडीपी, निर्यात और रोजगार सृजन में अपने योगदान के माध्यम से अर्थव्यवस्था में अत्यधिक योगदान देता है। जैसे-जैसे बाजारों में सामान्य स्थिति फिर से शुरू हुई है और विनिर्माण गतिविधियों में तेजी आई, इस क्षेत्र ने सुधार के आशाजनक संकेत दिए हैं और उम्मीद है कि इसके विकास की यह गति जारी रहेगी।”

Mr. Navin Chandani, MD & CEO, CRIF India, said, “The Indian Electrical Machinery Industry has a diversified, mature and strong manufacturing base supported by a robust supply chain. The industry contributes immensely to the economy through its contribution to GDP, exports, and employment generation. As markets resumed normalcy and manufacturing activities gained pace, the sector has shown promising signs of recovery and is expected to continue its growth trajectory.”

विद्युत मशीनरी क्षेत्र के लिए ऋणदाताओं की प्रोफाइल

मार्च 2021 तक मात्रा में 60.3% की हिस्सेदारी के साथ इस क्षेत्र को वित्त प्रदान करने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक प्रमुख रहे हैं। निजी बैंकों, एनबीएफसी और विदेशी बैंकों की हिस्सेदारी क्रमशः 22.3%, 11.4% और 2.4% रही है। मूल्य के अनुसार, निजी बैंकों की सबसे बड़ी हिस्सेदारी 37.8% है, इसके बाद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 23.1%, एनबीएफ़सी में 19.8% और विदेशी बैंकों की हिस्सेदारी मार्च 2021 तक 16.1% रही है।

उद्योग स्पॉटलाइट; यह त्रैमासिक रिपोर्टों की एक श्रृंखला है और इसके प्रत्येक संस्करण में उद्योग क्षेत्रों पर डेटा और रुझान प्रदान करने वाली जानकारी समाहित रहती है, जिसका उद्देश्य उधारदाताओं, नीति निर्माताओं को व्यावहारिक डेटा के साथ मदद करना है। यह अपने जोखिम विश्लेषण के साथ क्षेत्र के ऋण परिदृश्य, प्रमुख उधारदाताओं, क्षेत्रीय संरचना और उधारकर्ता खंडों का विश्लेषण करता है। इस रिपोर्ट में संबंधित क्लस्टर में एमएसएमई की स्थिति को ध्यान में रखते हुए क्लस्टर स्तर पर ऋण प्रवाह का विश्लेषण भी शामिल है।

Lender profiles for the Electrical Machinery sector

Public sector banks are dominant in providing finance to the sector with a share of 60.3% in volume as of March 2021. The share of private banks, NBFCs and foreign banks were 22.3%, 11.4% and 2.4%, respectively. By value, private banks have the largest share at 37.8% followed by public sector banks with 23.1%, NBFCs comprising of 19.8% and foreign banks with 16.1% as of March 2021.

Industry Spotlight is a series of quarterly reports providing data and trends on industry sectors in each edition, introduced with an aim to help lenders, policymakers with the insightful data. It analyses the credit landscape of the sector, major lenders, sectoral composition and borrower segments along with its risk analysis. The report entails an analysis of credit flow at cluster level while factoring the state of MSMEs in the respective cluster.

सिड्बी के बारे में: 1990 में अपने गठन के बाद से सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न ऋण और विकासात्मक उपायों के माध्यम से सूक्ष्म और लघु उद्यमियों (एमएसई) के जीवन को छुआ है, चाहे ये पारंपरिक व घरेलू छोटे उद्यमी हों; उद्यमिता पिरामिड के निम्नतम स्तर के उद्यमी हों अथवा उच्चतम स्तर के ज्ञान-आधारित उद्यमी हों। सिडबी 2.0 अपने साथ समावेशी, अभिनव और प्रभाव-उन्मुख संबद्धताओं की दृष्टि को लेकर चल रहा है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://www.sidbi.in पर जाएँ।

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements. SIDBI 2.0 carries the vision of inclusive, innovative and impact-oriented engagements.

To know more, check out: https://www.sidbi.in/

सीआरआईएफ़ इंडिया के बारे में: सीआरआईएफ़ एक वैश्विक समूह है जिसका मुख्यालय यूरोप में है और आईडीसी द्वारा इसे विश्व स्तर पर 50 शीर्ष फिनटेक कंपनियों में स्थान दिया गया है। सीआरआईएफ़ अब भारत में क्रेडिट इंफॉर्मेशन, बिजनेस इंफॉर्मेशन, एनालिटिक्स, स्कोरिंग, क्रेडिट मैनेजमेंट और डिसीजन सॉल्यूशंस के लिए उत्पाद और सेवाएं प्रदान करता है। सीआरआईएफ़ हाई मार्क चार प्रमुख क्रेडिट ब्यूरो में से एक है, जिसके पास व्यक्तिगत रिकॉर्ड का सबसे बड़ा डेटाबेस है और हर महीने लाखों उधार निर्णयों को समर्थन प्रदान करता है। यह पहला पूर्ण-सेवा क्रेडिट ब्यूरो है और सभी उधारकर्ता खंडों - वाणिज्यिक, खुदरा और सूक्ष्म वित्त को समाहृत करता है। सीआरआईएफ देश के सभी प्रमुख वित्तीय संस्थानों के साथ काम करता है जो उन्हें अपने स्वामित्व वाले 'मेड इन इंडिया फॉर इंडिया सर्च इंजन' का उपयोग करके एक व्यापक ब्यूरो कवरेज प्रदान करता है, जो निम्न गुणवत्ता वाले डेटा के साथ भी काम करने के लिए प्रयोग-सिद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://www.crifhighmark.com/ पर जाएँ।

About CRIF India: CRIF is a global group headquartered in Europe and has been ranked among the top 50 fintech companies globally by IDC. CRIF now offers products and services for Credit Information, Business Information, Analytics, Scoring, Credit Management and Decision solutions in India. CRIF High Mark is one of the four leading credit bureaus that has the largest database of individual records and supports millions of lending decisions every month. It is the first full-service credit bureau and covers all borrower segments – Commercial, Retail and Microfinance. CRIF works with all leading financial institutions in the country providing them

a comprehensive bureau coverage using its proprietary ‘Made in India for India Search Engine’, proven to work even with low quality data.

To know more, check out: https://www.crifhighmark.com/